काजरी संस्थान द्वारा उन्नत बीज वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसन्धान संस्थान (काजरी) जोधपुर द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत दिनांक 11 जुलाई 2024 को क्षेत्र के खटवास और लूणावास चारणां गाँव के चयनित किसानो हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे संस्थान द्वारा कृषको को मूंग, मोठ और ग्वार फसलों के उन्नत किस्म के बीजो का वितरण किया गया और साथ ही अधिक पैदावार हेतु नवीनतम उत्पादन तकनीकों की जानकारी प्रदान की गयी। इस अवसर पर काजरी संस्थान के प्राकृतिक संसाधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ प्रियब्रत सांतरा ने अपने विचार व्यक्त करते हुये इस क्षेत्र में मृदा और जल संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया और किसानो को अधिक उपज प्राप्त करने हेतु मृदा जांच और समन्वित पोषण प्रबन्धन को अपनाने का आव्हान किया। अनुसूचित जाति उपयोजना के नोडल अधिकारी डॉ. महेश कुमार, ने अनुसूचित जाति योजना के अंतरगर्त की जाने वाली गतिविधियों एवं परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा कृषको को इस उपयोजना से अधिक से अधिक लाभान्वित होने हेतु संस्थान से जुड़ने का आव्हान किया। डॉ. महेश कुमार ने कार्यक्रम में आये किसानो से अपने खेत का मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाने की अपील की और उन्हें इससे होने वाले फायदों से भी अवगत करवाया। इसी कड़ी में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. हरिमोहन मीणा ने उन्नत उत्पादन तकनीकों की कृषि में उपयोगिता और उनको अपनाने हेतु किसानों को प्रोत्साहित किया ताकि क्षेत्र के कृषको की आय में वृद्धि हो सके। कार्यक्रम के अंत में डॉ मनोज परिहार ने किसानो को उन्नत बीजो के साथ संतुलित खाद के प्रयोग से होने वाले फायदों के बारे में बताया और उन से जुड़े आवश्यक पहलूओ पर चर्चा की। कार्यक्रम में अनुसूचित जाति के खटवास, लूणावास चारणां गाँव के 125 किसान को उन्नत किस्मो के बीज जिनमे आर जी सी 936 (ग्वार), काजरी मोठ 4 और 5, एम एच 421 और विराट (मूंग) का वितरण किया गया। प्रशिक्षण और बीज वितरण कार्यक्रम से लाभान्वित किसानो ने अपनी प्रसन्नता जताते हुए उन्नत तकनीकों को अपनाकर खेती करने का निश्चय किया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ मनोज परिहार द्वारा किया गया।